MA-181

Total number of printed pages–4

14 (HIN-1) 1016

2019

HINDI

Paper : HIN-1016

(Madhyakālīn Kāvya–I)

(मध्यकालीन काव्य–I)

Full Marks : 64

Time : Three hours

The figures in the margin indicate full marks for the questions.

1. अधोलिखित अवतरणों में से ***किन्हीं दो*** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8×2=16

(क) लोटइ धरनि, धरनि धरि सोइ।
खने खने साँस खने खन रोइ॥
खने खन मुरछइ कंठ परान।
इथि पर की गति दैव से जान॥
हे हरि पेखलौं से बर नारी।
न जीवइ बिनु कर-परस तोहारि॥

Contd.

(ख) चलन चलन सबकौ कहत है, न जानौ बैकुंठ कहाँ है।
जोजन एक प्रमिति नहीं जानैं, बातनि हीं बैकुंठ बषानैं।
जब लग है बैकुंठ की आसा, तब लग नहीं हरि चरन निवासा।

(ग) स्याम गरीबनि हूँ के ग्राहक।
दीननाथ हमारे ठाकुर, साँचे प्रीति-निबाहक।
कहा बिदुर की जाति-पाँति, कुल, प्रेम-प्रीति के लाहक।
कहा पाँडव कैं घर ठकुराई? अरजुन के रथ-बाहक।

(घ) जौ पै हरि जनके औगुन गहते।
तौ सुरपति कुरुराज बालिसों, कत हठि बैर बिहसते॥
जौ जप जाग जोग व्रत बरजित, केवल प्रेम न चहते।
तौ कत सुर मुनिबर बिहाय ब्रज, गोप-गेह बसि रहते॥

2. निम्नलिखित मे से ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के जवाब दीजिए : 12×3=36

(क) गेयता की दृष्टि से विद्यापति की पदावली की समीक्षा कीजिए।

अथवा

विद्यापति की पदावली के कलापक्षीय सौंदर्य पर सोदाहरण विचार कीजिए।

(ख) कबीर की लोकप्रियता के कारणों का विश्लेषण कीजिए।

अथवा

समाज-सुधारक की दृष्टि से कबीर की आलोचना कीजिए।

(ग) सूरदास की भक्ति-भावना पर प्रकाश डालिए।

अथवा

सूरदास के दार्शनिक विचारों को स्पष्ट कीजिए।

(घ) 'विनय-पत्रिका' के आधार पर तुलसीदास के आराध्य देवता के स्वरूप पर विवेचन कीजिए।

अथवा

'विनय-पत्रिका' के नामकरण की सार्थकता पर एक लेख प्रस्तुत कीजिए।

3. ***किन्हीं तीन*** प्रश्नों के जवाब दीजिए : 4×3=12

(क) विद्यापति की पदावली की भाषा कैसी है?

(ख) कबीर के राम कैसे हैं?

(ग) "मन रे जागत रहिये भाई।" — कबीर ने मन को क्यों जागते रहने के लिए कहा है?

(घ) "जापर दीनानाथ ढरै।" — यहाँ कवि ने दीनानाथ के बारे में क्या कहा है?

(ङ) 'विनय-पत्रिका' में दैन्य-भाव का चित्रण किस प्रकार से हुआ है, सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।